संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 | अंक-38 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 17 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8

भागीरथपुरा त्रासदी से भी नहीं लिया सबक

इंदौर के कई क्षेत्रों में 'ज़हर' बन चुका है पानी

SPECIAL REPORT

✍नवीन गलकर

इंदौर। स्वच्छता में देश में नंबर वन का परचम लहराने वाले इंदौर शहर की जमीन के नीचे की हकीकत बेहद डरावनी हो चली है। हाल ही में भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से हुई 'जल त्रासदी' और उसमें गई मासूम जानों के बावजूद नगर निगम प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। आलम यह है कि शहर के परदेशीपुरा, गौरी नगर और अन्य सघन क्षेत्रों में आज भी नलों और बोरिंग से झाग वाला बदबूदार पानी निकल रहा है।

शहर के पुराने और मध्यमवर्गीय क्षेत्रों में ड्रेनेज लाइनें जर्जर हो चुकी हैं। कई जगहों पर ये लाइनें नर्मदा जल प्रदाय की पाइप लाइनों के समानांतर बिछी हुई हैं। लीकेज के कारण ड्रेनेज का गंदा पानी पेयजल लाइनों में रिस रहा है। भागीरथपुरा की घटना के बाद उम्मीद थी कि नगर निगम पूरे शहर की पाइप लाइनों का ऑडिट कराएगा और युद्ध स्तर पर लीकेज दुरुस्त किए जाएंगे। लेकिन धरातल पर स्थिति इसके उलट है। वार्ड 20 के गौरी नगर क्षेत्र में बोरिंग का पानी भी दूषित हो चुका है। जमीन के अंदर ड्रेनेज रिसाव इतना अधिक है कि भूजल पूरी तरह से प्रदूषित हो गया है। वही वार्ड क्रमांक 23 परदेशीपुरा से भी रहवासी नलों में आ रहे मटमैले और बदबूदार पानी की शिकायत कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि पानी इतना गंदा है कि उसे कपड़े धोने के काम में भी नहीं लिया जा सकता, पीना तो दूर की बात है। यह एक या दो जगह की बात नहीं है ऐसे ही शिकायत शहर के कई जगहों से मिल रही है। इंदौर को सिर्फ ऊपर से चमकाना काफी नहीं है, जनता को पीने के लिए 'साफ पानी' देना नगर निगम की प्राथमिक संवैधानिक जिम्मेदारी है। यदि समय रहते इन लीकेज को बंद नहीं किया गया, तो भागीरथपुरा जैसी घटनाएं शहर के अन्य कोनों में भी दोहराई जा सकती हैं। ड्रेनेज मिश्रित पानी पीने से हैजा, टाइफाइड, पीलिया जैसी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह पानी जानलेवा साबित हो सकता है।

एआई जनरेटेड फोटो

तीन-चार साल से ऐसा ही पानी आ रहा है, अब इसकी सही व्यवस्था की जाए।

- रमेश श्रीवास्तव रहवासी परदेशीपुरा

ड्रेनेज लाइन में लीकेज के कारण पास के बोरवेल में गंदा झागदार, बदबूदार पानी आ रहा है। कई बार शिकायत की गई लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। ऐसा लगता है कि जिम्मेदार लोग भागीरथपुरा जैसी घटना होने का इंतजार कर रहे हैं।

- नितिन भोंसले रहवासी न्यू गौरी नगर

सुविचार

सफलता पहले से की गयी तयारी पर निर्भर है, और बिना ऐसी तयारी के असफलता निश्चित है.

संपादकीय

खरीदारों के हित और अदालत

सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए गठित आरइआरए (रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण) यानी रेरा के कामकाज पर जो नाराजगी जताई है, वह उचित ही है. एक मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की एक पीठ ने कहा कि रेरा के गठन का मकसद रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता लाना, परियोजनाओं में देरी को रोकना और घर खरीदारों के हितों की रक्षा करना था, पर जमीनी स्तर पर तस्वीर इसके उलट नजर आ रही है. रेरा का गठन जिनके हितों की रक्षा के लिए हुआ था, वे हताश हैं और ऐसा लगता है कि रेरा घर खरीदारों की सुरक्षा करने के बजाय डिफॉल्ट करने वाले बिल्डरों को सुविधा दे रहा है. शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में रेरा ऑफिस को शिमला से धर्मशाला ट्रांसफर करने से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सामने आई. राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि शिमला में भीड़ कम करने और प्रशासनिक कारणों से कार्यालय स्थानांतरण का निर्णय लिया गया. विरोधी पक्ष के वकील ने तर्क दिया कि रेरा के करीब 90 फीसदी प्रोजेक्ट और 92 फीसदी लंबित शिकायतें शिमला, सोलन, परवाणू और सिरमौर जिलों से संबंधित हैं, जो 40 किलोमीटर के दायरे में आते हैं, जबकि धर्मशाला में केवल 20 परियोजनाएं हैं. सुनवाई के दौरान जब पीठ को बताया गया कि रेरा में एक सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी की नियुक्ति की गयी है, तो प्रधान न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि कई राज्यों में ऐसी संस्थाएं पुनर्वास केंद्र बन गयी हैं. कोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को मंजूरी दी, पर रेरा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किये. देश के रियल एस्टेट क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाने, अनियमितताओं पर अंकुश लगाने और खरीदारों का विश्वास बहाल करने के लिए आरइआरए को 2016 में एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश किया गया था. पर अदालत की टिप्पणियां इस चिंता को रेखांकित करती हैं कि जब तक कार्यान्वयन में सुधार नहीं होता, कानून का वादा केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि कानून को रद्द करने या उसमें संशोधन करने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया, पर उसकी टिप्पणियां आरइआरए के प्रशासन के तरीके को लेकर बढ़ती न्यायिक निराशा को दर्शाती हैं. इन टिप्पणियों से राज्य सरकारों पर अपने नियामक प्राधिकरणों को मजबूत करने, प्रवर्तन में सुधार करने और यह सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ने की संभावना है कि कानून घर खरीदारों को सार्थक सुरक्षा प्रदान करे.

आशीर्वाद विला में शिवरात्रि का भव्य आयोजन

पार्थिव शिवलिंग निर्माण और दीपों से सजी श्रद्धा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के निपानिया क्षेत्र स्थित आशीर्वाद विला परिसर में महाशिवरात्रि का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और सामूहिक उत्साह के साथ मनाया गया। पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण व्याप्त रहा और समाज के सभी परिवारों ने मिलकर आयोजन को सफल बनाया।

इस अवसर पर रहवासियों द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया गया। बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और श्रद्धा के साथ भगवान शिव की आराधना की। सामूहिक रूप से तैयार किए गए पार्थिव शिवलिंगों का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया, जिससे पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। शिव मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया। रंग-बिरंगी रंगोली, दीपों की आकर्षक सजावट और रोशनी से सुसज्जित मंदिर ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। दीपों की ज्योति से आलोकित वातावरण ने भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। मंदिर परिसर में महादेव की विशेष आरती और शिव स्तुति का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

आयोजन की विशेषता यह रही कि समाज के सभी सदस्यों ने एकजुट होकर इसे सामूहिक पर्व के रूप में मनाया। महिलाओं ने सजावट और पूजन की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाई, वहीं युवाओं ने व्यवस्थाओं को संभालते हुए आयोजन को व्यवस्थित और अनुशासित रूप दिया। मंदिर समिति ने सभी रहवासियों, सहयोगकर्ताओं और स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सौहार्द और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। समिति ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर आशीर्वाद विला में भक्ति, एकता और उत्सव का सुंदर संगम देखने को मिला, जिसने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार किया।

युवाओं की अनूठी पहल

अनाथाश्रम के बच्चों और वृद्धाश्रम की माताओं को निःशुल्क सांवरिया सेठ यात्रा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

मानवता के प्रति सजग त्रिनेत्रम सामाजिक संस्था के युवाओं द्वारा एक सराहनीय और प्रेरणादायी पहल की जा रही है। संस्था के सक्रिय सदस्य हर्षल चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि समाजसेवी सुनील ठाकुर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विगत 10 वर्षों से प्रतिवर्ष फरवरी माह में निराश्रित वृद्धों, असहायों एवं अनाथ बच्चों को निःशुल्क धार्मिक यात्रा कराई जाती है। इसी क्रम में इस वर्ष राजस्थान के चित्तौड़गढ़ स्थित विश्वप्रसिद्ध सांवरिया सेठ मंदिर की विशेष यात्रा आयोजित की जा रही है, जिसमें सांवरिया सेठ, प्राकट्य स्थल बांगुड धाम मंदिर के पुजारी दिनेश महाराज जी के सानिध्य में सभी यात्रियों को दर्शन की व्यवस्था कराई जाएगी।

यात्रा आयोजक सुनील ठाकुर ने बताया कि इस बार इंदौर के उन्मुक्त बाल गृह के बच्चों एवं वृद्धाश्रम की माताओं को यह यात्रा रेल द्वारा आरक्षित कोच, भोजन एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था संस्था के सदस्यों के विशेष सहयोग से करवाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि त्रिनेत्रम सामाजिक संस्था द्वारा पिछले 9 वर्षों से लगातार वृद्धाश्रम, अनाथालय, बुजुर्ग माताएं, असहाय, कुष्ठ रोगी एवं गरीब वर्ग के बच्चों को निःशुल्क धार्मिक यात्राएं कराई जा रही हैं। अब तक संस्था सैकड़ों लोगों को रामदेवरा (राजस्थान), शिरडी–शनि शिंगणापुर, रेणुका माता मंदिर (महाराष्ट्र), शेगांव गजानन महाराज तथा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग,महेश्वर जैसी प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा सफलतापूर्वक करवा चुकी है। यह पहल समाज में सेवा, संवेदना और धार्मिक आस्था का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है।

रवि राठौड़ भाजपा आईटी प्रकोष्ठ ग्रामीण मंडल संयोजक नियुक्त

■ बड़वाह । संभाग पोस्ट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,आईटी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक अमन शुक्ला की सहमति व भाजपा जिला अध्यक्ष नंदा ब्रह्माने,विधायक सचिन बिर्ला व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष खुमान जाट की अनुशंसा से आईटी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष शुभम जायसवाल ने युवा भाजपा नेता रवि राठौड़ को बड़वाह ग्रामीण का भाजपा संयोजक मनोनीत किया गया हैं । मनोनयन पर विधायक सचिन बिर्ला,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष खुमान जाट ,सरपंच राजकुमार वर्मा भाजपा ग्रामीण उपाध्यक्ष एन.एस. सोलंकी,ब्रजेश यादव,युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष ललित,जाट,युवा मोर्चा अध्यक्ष धीरज राजपूत,बी आर सांवले,देवेंद्र कर्मा,विजय वर्मा,राजा सोलंकी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया।

काव्य गौरव अलंकरण के लिए पाँच कवि चयनित

पंकज प्रसून, निशा पंडित, कमलेश दवे, पुष्पेन्द्र पुष्प और शिवांगी प्रेरणा को मिलेगा 22 फ़रवरी को काव्य गौरव अलंकरण

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

हिन्दी भाषा की वाचिक परम्परा से मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा पाँच कवियों को प्रतिवर्ष काव्य गौरव अलंकरण प्रदान किया जाता है। वर्ष 2026 में माण्डव से डॉ. पंकज प्रसून चौधरी, उज्जैन से निशा पंडित, नागदा से कमलेश दवे, बड़नगर से पुष्पेंद्र जोशी पुष्प और भोपाल से शिवांगी प्रेरणा का चयन किया गया है।

यह अलंकरण संस्थान के प्रतिष्ठा प्रसंग हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह में प्रदान किया जाएगा। इंदौर में यह समारोह शनिवार 22 फ़रवरी 2026 को आयोजित किया जा रहा है। मातृभाषा उन्नयन संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने बताया कि 'संस्थान विगत छह वर्ष से वाचिक परम्परा के पाँच युवा कवियों को काव्य गौरव अलंकरण से सम्मानित करता है, जिसमें वर्ष 2026 के लिए चयन समिति ने देशभर से प्राप्त अनुशंसाओं के आधार पर कवियों का चयन किया है।' ज्ञात हो कि कवियों का चयन देश के विभिन्न प्रान्तों से होता है, विगत पाँच वर्षों में पच्चीस कवि काव्य गौरव अलंकरण से सम्मानित हो चुके हैं। काव्य गौरव से अलंकृत होने वाले कवियों को मातृभाषा उन्नयन संस्थान राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए आमंत्रित किया।

भारतीय जीत का जश्न मना इंदौर के राजवाड़ा पर देशभक्ति के नारे गूंजे

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की शानदार जीत का गवाह एक बार फिर इंदौर का हृदय स्थल राजवाड़ा बना। जैसे ही पाकिस्तानी टीम के आखिरी बल्लेबाज़ का विकेट गिरा और जीत भारत के नाम हुई, वैसे ही शहर कुछ देर के लिए आतिशबाजी और पटाखों की गूंज से सराबोर हो गया। लोगों ने घरों की बालकनियों से लेकर सड़कों तक जीत का इजहार किया। जीत होते ही क्रिकेट प्रेमी टीवी स्क्रीन छोड़कर अपनी गाड़ियों से राजवाड़ा की ओर रवाना होने लगे। देखते ही देखते राजवाड़ा पर क्रिकेट दीवानों की भीड़ इकट्ठा हो गई। चारों ओर तिरंगे लहराने लगे और भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। युवाओं ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया, तो कई लोग देशभक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। भारतीय टीम की जीत का जश्न पटाखे छोड़कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मनाया गया, हालांकि पटाखों से किसी प्रकार की आगजनी की घटना न हो, इसके लिए राजवाड़ा चौक पर फायर ब्रिगेड की टीम भी तैनात रही। पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा ताकि भीड़ नियंत्रित रहे और यातायात व्यवस्था बाधित न हो। करीब एक घंटे तक राजवाड़ा भारतीय जीत के उल्लास का केंद्र बना रहा। भीड़ में बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे। कई परिवार अपने बच्चों के साथ तिरंगा हाथ में लिए जश्न मनाने पहुंचे। कुछ युवा अपनी गाड़ियों की छत और बोनट पर बैठकर नारे लगाते और वीडियो बनाते दिखाई दिए। सोशल मीडिया पर भी जश्न के वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल होते रहे। कुछ देर बाद चौक पर मौजूद भीड़ को पुलिसकर्मियों ने शांतिपूर्वक अपने-अपने घरों की ओर लौटने की अपील की, जिसके बाद लोग धीरे-धीरे वहां से रवाना होने लगे।गली-मोहल्लों में भी मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भारत-पाकिस्तान मुकाबला देखने के लिए शहर के कई प्रमुख चौराहों और कॉलोनियों में एलईडी स्क्रीन लगाई गई थीं। दर्शक भारतीय बल्लेबाजों के चौकों-छक्कों पर तालियां बजाते और पाकिस्तानी बल्लेबाजों के विकेट गिरने पर झूम उठते। राजवाड़ा पर भी एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग मैच का सीधा प्रसारण देख रहे थे।पूरे शहर में देर रात तक जीत का जश्न जारी रहा और इंदौर एक बार फिर देशभक्ति और क्रिकेट प्रेम के रंग में रंगा नजर आया।

पेड़-परिंदे बनकर बच्चों ने किया विरोध
प्रकृति के विनाश पर जिम्मेदारों से पूछे सवाल

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

इंदौर के मेट्रो स्टेशन निर्माण हेतु रानी सराय क्षेत्र के लगभग 250 प्राचीन पेड़ों को काटने के विरोध में 15 फरवरी, रविवार को एक बड़ा जन प्रदर्शन आयोजित किया गया। शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच रीगल तिराहे पर जनहित पर्यावरण मंच के तत्वावधान में स्कूली बच्चे बड़ी संख्या में एकत्र हुए। इन नन्हे पर्यावरण प्रेमियों ने प्रशासन और वर्तमान व्यवस्था से सीधे सवाल पूछे कि क्या भविष्य में उन्हें स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और पेड़ों पर चहकते पक्षी देखने को नहीं मिलेंगे? बच्चों ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए पूछा कि क्या आने वाली पीढ़ियों को हमेशा मास्क पहनकर ही जीवन व्यतीत करना होगा?

पेड़ और परिंदों के वेश में पहुंचे स्कूली छात्र

इस विरोध प्रदर्शन को प्रभावी बनाने के लिए जनहित पर्यावरण मंच के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में संपर्क किया था। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि बच्चे केवल तख्तियां लेकर ही नहीं आए, बल्कि कई छात्र स्वयं पेड़ और तोतों का रूप धारण कर प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। बच्चों द्वारा अपने स्वस्थ भविष्य के लिए किया गया यह शांतिपूर्ण प्रदर्शन शहर में चर्चा का विषय बना रहा। इस अनोखे विरोध के जरिए बच्चों ने जनता और प्रशासन को प्रकृति के प्रति उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराया।

लंबे समय से जारी है रानी सराय बचाने की मुहिम

रानी सराय के पेड़ों और उन पर बसे हजारों तोतों के आशियाने को बचाने के लिए शहर के प्रबुद्ध नागरिक और विभिन्न संस्थाएं लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं। इससे पूर्व जनहित पार्टी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय जैन के नेतृत्व में 1 जनवरी से 30 जनवरी तक कड़कड़ाती ठंड में रानी सराय परिसर में ही दिन-रात का धरना दिया जा चुका है। वर्तमान में यह मामला कानूनी प्रक्रिया के अधीन भी है, जहां हाईकोर्ट ने पर्यावरण प्रेमियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली तारीख तक पेड़ों की कटाई पर अंतरिम रोक लगा रखी है।

विभिन्न सामाजिक संगठनों का मिला समर्थन

रविवार को आयोजित इस प्रदर्शन का उद्देश्य पेड़ों की कटाई पर स्थायी रोक लगवाना था ताकि हजारों पक्षियों का घर न उजड़े। इस मुहिम में जनहित पार्टी के साथ-साथ पर्यावरण प्रेमी मंच, खंडेलवाल जनमंच, अभ्यास मंडल, जीवन प्रवाह और आम आदमी पार्टी सहित शहर की कई प्रमुख समाजसेवी संस्थाएं कंधे से कंधा मिलाकर शामिल हुईं। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट मत है कि विकास के नाम पर शहर की हरियाली और जैव विविधता की बलि नहीं दी जानी चाहिए।

फिर एक हुए डॉक्टर-इंजीनियर दंपति, वेलेंटाइन डे पर फैमिली कोर्ट से वापस ली तलाक याचिका

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

वैलेंटाइन डे पर एक डॉक्टर व इंजीनियर पति-पत्नी फैमिली कोर्ट में जज की समझाइश के बाद फिर एक साथ रहने को तैयार हो गए। उन्होंने एक दूसरे को गुलाब दिए और तलाक को लेकर लगाई याचिका वापस ली। हाईकोर्ट एडवोकेट कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि पेशे से इंदौर निवासी डॉक्टर पति ने उसकी आईटी इंजीनियर पत्नी के विरुद्ध शारीरिक, मानसिक प्रताड़ना को लेकर तलाक की याचिका कुटुम्ब न्यायालय में लगाई थी। कोर्ट ने इंजीनियर पत्नि को नोटिस जारी किया था। दोनों पक्ष जब 14 फरवरी को कोर्ट में उपस्थित हुए तो जज आरके जैन ने दोनों पक्षों को सुना और दोनों पक्षों में सुलह की। दोनों से कहा गया कि जीवन लंबा है और पुरानी बात भूल कर नया जीवन बिताएं। इसके बाद समझौता करने के लिए राजी हो गए। तलाक का प्रकरण वापस ले लिया। इंजीनियर दंपति ने बताया कि जज ने दोनों पति पत्नी को बहुत दुलार-प्यार से और मनोवैज्ञानिक तरीके से काउंसलिंग कर समझाया। उससे लगा ही नहीं कि दोनों पति पत्नी के बीच कुछ विवाद था। है। हमने भी गिले-शिकवे भूलकर उपहार स्वरूप नया जीवन जीने के लिए वेलेंटाइन-डे पर एक-दूसरे गुलाब का फूल देकर बधाई भी दी।

इंदौर में 18 भाषाओं का महासंगम, चिमनबाग मैदान में 22 फरवरी को होगा आयोजन

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

इंदौर के रामबाग स्थित पंत वैध कॉलोनी में संघ कार्यालय सुदर्शन भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान आगामी 22 फरवरी को शहर में होने वाले भारतीय भाषा पर्व के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया गया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न भाषाओं के प्रतिनिधि और अनेक समाजों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस विमोचन कार्यक्रम ने शहर में होने वाले इस अनूठे भाषाई उत्सव की तैयारियों को एक नई गति प्रदान की है।

पोस्टर विमोचन के अवसर पर संघ के विभाग संघ चालक मुकेश मोड़ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की समस्त भाषाएं हमारी साझा सांस्कृतिक पहचान और देश की अटूट एकता का जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास और हमारी प्राचीन संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सभी भारतीय भाषाओं का सशक्त और समृद्ध होना अत्यंत अनिवार्य है। मुकेश मोड़ ने आगे कहा कि भाषाएं ही वास्तव में किसी भी राष्ट्र की नींव को मजबूती प्रदान करने का कार्य करती हैं।

कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि हमारा मुख्य लक्ष्य आने वाली पीढ़ी को एक अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली भाषाई विरासत सौंपना है। इसके लिए निरंतर रूप से भाषाओं का संरक्षण और संवर्धन करना समय की मांग है। इसी दूरदर्शी सोच को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से 22 फरवरी को इंदौर की धरा पर इस विशाल कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। आयोजन समिति का मानना है कि अपनी मातृभाषा के प्रति सम्मान और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति प्रेम ही राष्ट्रीय एकता को प्रगाढ़ करेगा।

कार्यक्रम के संयोजक रवींद्र देशपांडे, अभय सिंह राठौड़ और अश्विन खरे ने आयोजन की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि मुख्य आयोजन 22 फरवरी, रविवार को प्रातः 10 बजे से चिमनबाग फुटबॉल ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक उत्सव में कुल 18 प्रमुख भाषाएं और बोलियां सम्मिलित होंगी, जिनमें संस्कृत, निमाड़ी, मालवी, भीली, जनजाति भाषाएं, मैथिली, भोजपुरी, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़, मराठी, पंजाबी, मारवाड़ी, सिंधी, गुजराती, नेपाली, हिंदी और गढ़वाली शामिल हैं। इंदौर के इतिहास में पहली बार इस तरह का व्यापक भाषाई समागम होने जा रहा है।

देश में सबसे पहले इंदौर में शुरू हुई मकान जनगणना

इंदौर। संभाग पोस्ट

भारत सरकार के निर्देशानुसार शुरू होने जा रहे जनगणना अभियान के पहले चरण में मकानों की गणना की जानी है। इस क्रम में देश में सबसे पहले इंदौर में मकान गणना का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इंदौर नगर निगम के जोन क्रमांक 3 ने स्नेहलतागंज क्षेत्र में एक ब्लॉक बनाकर मकान गणना का कार्य पूरा किया।

1 मई से शुरू होगा पहला चरण

प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को भोपाल में 55 जिलों के कलेक्टर और 16 नगर निगम आयुक्तों को प्रशिक्षण दिया। यह जनगणना 1 मई से शुरू होगी। पहले चरण में एक महीने के भीतर मकानों की गणना का कार्य पूरा किया जाएगा। सन् 1931 के बाद पहली बार जनगणना के साथ जातिगत जनगणना भी की जाएगी। साथ ही देश के इतिहास में पहली बार यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी।

180 से 200 मकानों का बनेगा एक ब्लॉक

प्रशिक्षण से पहले इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए थे। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार 180 से 200 मकान या लगभग 1000 सदस्यों का एक ब्लॉक बनाया जाएगा। प्रत्येक मकान को नंबर देकर गणना की जाएगी।

जोन 3 ने की पहल

कलेक्टर के निर्देश के बाद जोनल कार्यालय क्रमांक 3 के जोनल अधिकारी राज ठाकुर ने स्नेहलतागंज गली नंबर 4 और 5 को मिलाकर पहला ब्लॉक तैयार किया। इस ब्लॉक में 141 मकान पाए गए, जिनमें लगभग 1300 नागरिक निवास करते हैं। सभी मकानों पर जनगणना नंबर अंकित कर दिए गए हैं। अब दूसरे ब्लॉक के गठन की तैयारी की जा रही है।

इंदौर बन सकता है नंबर वन

कलेक्टर की पहल के चलते इंदौर देश में सबसे पहले मकान गणना का कार्य शुरू करने वाला शहर बन गया है। प्रशासन को उम्मीद है कि मकान गणना के कार्य में इंदौर प्रदेश और देश में अग्रणी स्थान हासिल कर सकता है।

पूर्वी रिंग रोड के विरोध में सड़कों पर उतरे किसान, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन किया

इंदौर। संभाग पोस्ट

पूर्वी रिंग रोड प्रोजेक्ट के विरोध में इंदौर जिले के प्रभावित किसानों ने मुआवजा राशि 4 गुना करने के साथ नगद देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के सामने प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। क्षेत्र के 30 से अधिक गांव के सैकड़ों किसानों ने अर्ध नग्न होकर हाथों में विरोध की तख्तियां लेकर कंपनी कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए कहा कि प्रस्तावित पूर्वी रिंग रोड का निर्माण 38 गांवों की उपजाऊ एवं सिंचित कृषि भूमि से होकर किया जा रहा है। जिससे हजारों किसान परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो जाएगा। किसानों का कहना है कि बिना उनकी स्वीकृति भूमि अधिग्रहण नहीं होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि पूर्वी रिंग रोड प्रोजेक्ट निरस्त किया जाए।किसानों ने कहा कि यदि शहर के विकास को देखते हुए सड़क निर्माण आवश्यक हो, तो इसे वर्तमान अलाइनमेंट से पांच किलोमीटर दूर शासकीय जमीन, बंजर या कम उपजाऊ भूमि से होकर निकाला जाए, ताकि उपजाऊ कृषि भूमि को बचाया जा सके। प्रभावित किसानों ने मांग की कि जिनकी भूमि अधिग्रहित की जा रही है, उन्हें वर्तमान बाजार मूल्य से कम से कम चार गुना मुआवजा राशि एकमुश्त प्रदान की जाए। साथ ही सभी किसानों को बढ़ी हुई दरों के अनुसार समान मुआवजा देने की भी मांग की गई। प्रदर्शन में कोदरिया गवली पलासिया, जामली, अंबाचंदन आदि गांव के किसानों ने हिस्सा लेकर प्रदर्शन किया।

इंदौर के डबल डेकर ब्रिज का 80 प्रतिशत काम पूरा, चार माह में मिलेगी सौगात

इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर के लवकुश चौराहे पर बन रहे प्रदेश के पहले डबलडेकर ब्रिज का काम 80 प्रतिशत पूरा हो चुका है। चार माह में इस ब्रिज की सौगात मिल सकती है। यह ब्रिज मेट्रो ट्रैक और सुपर कॉरिडोर बने ब्रिज को पार कर उज्जैन रोड की तरफ उतरेगा। इस ब्रिज की अधिकतम ऊंचाई जमीन से 70 फीट है। ब्रिज के मध्य हिस्से के स्पान रखे जाना शेष है। इसके लिए विशेष क्रेन कंपनी ने मंगाई है। यह काम ट्रैफिक रोककर किया जाएगा। अपनी ऊंचाई के कारण इस ब्रिज की लंबाई भी शहर के दूसरे ब्रिजों से ज्यादा है। यह ब्रिज डेढ़ किलोमीटर लंबा है और इसके निर्माण पर 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। डबलडेकर ब्रिज के बनने से हर दिन एक लाख लोगों की राह आसान होगी। सिंहस्थ के समय भी यह ब्रिज ट्रैफिक में मददगार साबित होगा। यह ब्रिज अरबिंदो अस्पताल के चौराहे पर खत्म होगा और वहां से इंदौर-उज्जैन छहलेन ब्रिज का काम शुरू होगा।

भुजा पर हो रहा डामरीकरण

ब्रिज की भुजा पर डामरीकरण शुरू हो चुका है। दोनों तरफ से यह काम जारी है। इसके अलावा ब्रिज के विद्युतीकरण और सौंदर्यीकरण का काम भी चल रहा है। जल्दी ही यह काम पूरा हो जाएगा। जून माह तक ब्रिज का निर्माण पूरा हो जाएगा। इसके बाद ट्रैफिक के लिए यह खोल दिया जाएगा। इंदौर विकास प्राधिकरण के अफसरों का कहना है कि ब्रिज के मध्य हिस्से की डिजाइन में कर्व दिया गया है। इससे ब्रिज पर चलने वाला ट्रैफिक भी सुरक्षित रहेगा और सुंदर भी दिखाई देगा। आपको बता दें कि ब्रिज का भूमिपूजन तीन साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। सुपर कॉरिडोर का ब्रिज सालभर पहले बन चुका था। उसकी दोनों भुजाओं से ट्रैफिक गुजर रहा है।

24 साल बाद खुलेगा अटल खेल संकुल का स्विमिंग पूल, मई तक मिलेगी सौगात

इंदौर। विशेष प्रतिनिधि

करीब ढाई दशक से बंद पड़े अटल खेल संकुल के स्विमिंग पूल में एक बार फिर गतिविधियां शुरू होने जा रही हैं। लगभग 24 वर्ष पहले ड्रेनेज लाइन का पानी पूल में आने लगा था, जिसके चलते इसे बंद करना पड़ा था। करीब एक साल पहले पूल के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया गया, जिसे अब मई महीने तक पूरा करने का दावा किया जा रहा है।

मई तक शुरू होने की तैयारी

अधिकारियों के अनुसार, अटल खेल संकुल का स्विमिंग पूल मई माह तक फिर से शुरू कर दिया जाएगा। इसके शुरू होने से शहर के खिलाड़ियों और युवाओं को अभ्यास के लिए एक बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

ऊपर से ढंका जाएगा स्विमिंग पूल

पिछले 24 वर्षों में अटल खेल संकुल के आसपास का इलाका पूरी तरह बदल चुका है। पहले जहां खुला वातावरण था, वहां अब बहुमंजिला इमारतें खड़ी हैं। इसी को देखते हुए स्विमिंग पूल को ऊपर से ढंकने का निर्णय लिया गया है। पूल को करीब 22 फीट ऊंचाई पर सफेद टेंसाइल मटेरियल से कवर किया जाएगा, जो कपड़े जैसा दिखेगा लेकिन मजबूत होगा और धूप, धूल व धुएं से बचाव करेगा।

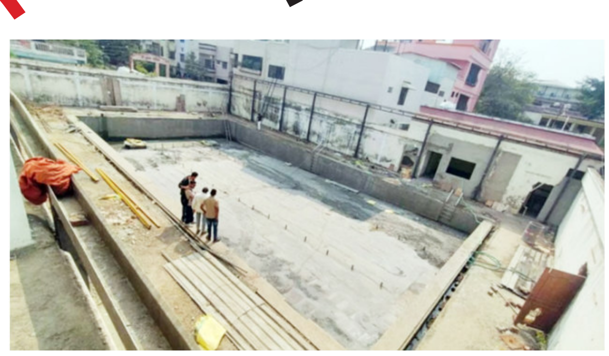

एक करोड़ रुपए की लागत से हो रहा काम

स्विमिंग पूल के इस प्रोजेक्ट पर नगर निगम द्वारा लगभग एक करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। मंगलवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने क्षेत्र क्रमांक-2 स्थित अटल खेल संकुल पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए होगा पूल

निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य राजेंद्र राठौर ने बताया कि यह स्विमिंग पूल किसी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए नहीं बनाया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य शहर के युवाओं और खिलाड़ियों को तैराकी सीखने और नियमित अभ्यास की सुविधा देना है।

नेहरू पार्क का स्विमिंग पूल भी होगा शुरू

नेहरू पार्क स्थित स्विमिंग पूल में भी निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। वहां पुरानी टाइल्स हटाकर नए सिरे से काम कराया जा रहा है। एक महीने में निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सवा महीने के भीतर यह पूल भी शुरू करने की तैयारी है। पहले इसे जनवरी में शुरू करने की योजना थी, लेकिन पार्क में जमा कबाड़ हटाने के कारण काम में देरी हुई और अब इसे मार्च तक शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

1 करोड़ की कार पर 4 लाख की बचत

उज्जैन मेले में इंदौरियों की धूम, आधा लग रहा टैक्स

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

उज्जैन में विक्रमोत्सव के पावन अवसर पर बहुप्रतीक्षित वाहन मेले की शुरुआत अत्यंत उत्साह के साथ हुई है। मेले के पहले ही दिन महाशिवरात्रि का पर्व होने के कारण वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया। इस आयोजन की खास बात यह है कि उज्जैन के स्थानीय निवासियों के साथ-साथ इंदौर से भी बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे और अपनी पसंद के वाहनों की जमकर खरीदारी की। मेले में वाहनों पर लगने वाले टैक्स में शासन द्वारा दी जा रही 50 प्रतिशत की भारी छूट ने खरीदारों के बीच खासा आकर्षण पैदा किया है। कई महंगी और प्रीमियम कारों की बुकिंग पहले ही हो चुकी थी जिनकी डिलीवरी लेने के लिए लोग विशेष रूप से मेले के उद्घाटन का इंतजार कर रहे थे। ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों का मानना है कि इस वर्ष की बिक्री पिछले कई साल के पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर सकती है।

कर में छूट से बढ़ा ग्राहकों का रुझान

ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से ग्वालियर व्यापार मेले की तर्ज पर उज्जैन में भी इस विशाल वाहन मेले का सफल आयोजन कर रही है। इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें खरीदे जाने वाले वाहनों पर मोटरयान कर यानी आरटीओ टैक्स में 50 प्रतिशत की सीधी रियायत दी जाती है। इस योजना के चलते वाहनों की ऑन-रोड कीमत में काफी कमी आ जाती है जिससे ग्राहकों को लाखों रुपये का सीधा लाभ होता है। यही कारण है कि लोग महीनों पहले से इस मेले का इंतजार करते हैं ताकि छूट का फायदा उठा सकें। उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान में कल से शुरू हुआ यह व्यापार मेला आगामी 19 मार्च तक अनवरत जारी रहेगा। पहले ही दिन उमड़ी भीड़ में इंदौर के ग्राहकों की संख्या सबसे अधिक दर्ज की गई।

इस बार मेले में लगी हैं 223 दुकानें

इस वर्ष मेले को भव्य रूप देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। आयोजन स्थल पर कुल 223 दुकानें लगाई गई हैं जिनमें ऑटोमोबाइल क्षेत्र का वर्चस्व साफ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार मेले में चार पहिया वाहनों के लिए 123 स्टॉल और दोपहिया वाहनों के लिए 40 विशेष स्टॉल आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आगंतुकों की सुविधा के लिए लगभग 60 फूड स्टॉल भी लगाए गए हैं। मेले में भागीदारी करने वाले डीलरों में सबसे अधिक संख्या इंदौर के व्यापारियों की है। ग्राहकों की बढ़ती मांग और डिलीवरी में होने वाली देरी से बचने के लिए डीलर्स ने पहले से ही पर्याप्त स्टॉक मंगवा लिया है ताकि मौके पर ही वाहनों की सुपुर्दगी सुनिश्चित की जा सके।

इंदौर के स्थानीय बाजार पर बड़ा प्रभाव

व्यापारिक विशेषज्ञों का अनुमान है कि मेले की पूरी अवधि के दौरान इंदौर और आसपास के जिलों के वाहन खरीदारों का पूरा ध्यान उज्जैन की ओर केंद्रित रहेगा। इसका सीधा प्रभाव इंदौर के स्थानीय शोरूमों की बिक्री पर देखने को मिल सकता है क्योंकि ग्राहक स्थानीय स्तर पर पूरी कीमत चुकाने के बजाय मेले की छूट का लाभ लेना पसंद कर रहे हैं। इसी संभावित घाटे की भरपाई के लिए इंदौर के अधिकांश प्रमुख डीलर्स ने उज्जैन मेले में ही अपने स्टॉल लगा लिए हैं ताकि वे अपने नियमित ग्राहकों को वहां सेवाएं दे सकें।

आरटीओ राजस्व में संभावित कमी आएगी

मेले के नियमानुसार टैक्स में छूट का लाभ केवल उन्हीं वाहनों पर देय है जिनका स्थायी पंजीकरण उज्जैन आरटीओ कार्यालय के अंतर्गत कराया जाएगा। इस नियम के कारण इंदौर और आसपास के अन्य क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) को अपने कर राजस्व में एक बड़े हिस्से का नुकसान उठाना पड़ सकता है। चूंकि बड़ी संख्या में वाहन अब उज्जैन में पंजीकृत होंगे इसलिए इंदौर आरटीओ के खाते में आने वाला टैक्स इस अवधि में काफी कम रहने की संभावना है।

नई कारों और लग्जरी मॉडलों का क्रेज

बाजार में आए नए मॉडलों को लेकर भी ग्राहकों में जबरदस्त दीवानगी देखी जा रही है। व्यापारियों का तर्क है कि सरकारी कर छूट के साथ-साथ त्योहारों का सीजन और बाजार में नई गाड़ियों की उपलब्धता एक ऐसा संयोग बना रही है जिससे इस बार का मेला ऐतिहासिक बिक्री की ओर अग्रसर है।

करोड़ों की गाड़ियों पर लाखों की बचत

प्रशासनिक अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मेले में सामान्य कम्यूटर बाइक से लेकर करोड़ों रुपये की कीमत वाली लग्जरी कारें तक बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। नियमानुसार वाहन जितना महंगा होगा कर छूट का लाभ भी उतना ही अधिक मिलेगा। उदाहरण के तौर पर यदि किसी लग्जरी कार की शोरूम कीमत एक करोड़ रुपये है और उस पर सामान्यतः 8 प्रतिशत की दर से 8 लाख रुपये टैक्स लगता है तो मेले से खरीदने पर ग्राहक को केवल 4 लाख रुपये ही टैक्स देना होगा। इस प्रकार एक ही खरीदारी पर सीधे 4 लाख रुपये की बचत ग्राहकों को मेले की ओर खींच रही है।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

■ समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,

■ ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।

■ ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।

■ हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं

■ हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।

■ जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा

■ यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है

■ अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं

■ हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

विधि महाविद्यालय में हुई 'कविताई' आयोजित

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा मासिक काव्य गोष्ठी 'कविताई' का आयोजन शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय में शुक्रवार को सम्पन्न हुआ, जिसमें कवियों ने काव्य पाठ किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्पण जैन 'अविचल' ने बताया कि 'कविता के सभी रसों की समान मान्यता है। इसके साथ सभी कवियों को प्रस्तुतिकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।' 'कविताई' में आकाश यादव, पारस बिरला, आशीष पँवार, रिया मोरे, कुलश्रेष्ठ शर्मा, गौरव पटेल, पूजा राज, निशा रघुवंशी, नारायण दोगायां, शिवम सिंह, पवन जोशी, आशु सूर्यवंशी, प्रशांत राव चौरसे, नौशिन शेख, अनीता बिरला, आरती अंजाना, छात्रशाल कुशवाह, अनुराग, सौरव गौसर व शिवम त्रिपाठी आदि ने अपनी रचनाएँ सुनाईं। कविताई में सभी सहभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि आशीष पँवार ने किया।

वेलेंटाइन डे पर लसूडिया पुलिस का CASO अभियान

स्कीम 78 में सघन जांच और ड्रोन से निगरानी

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

इंदौर के लसुड़िया थाना क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से लसुड़िया थाना द्वारा वेलेंटाइन डे के अवसर पर विशेष CASO (कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन) अभियान संचालित किया गया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त जोन-2 कुमार प्रतीक के निर्देशन में की गई। अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी तरेश सोनी ने किया। उनके मार्गदर्शन में पुलिस बल ने स्कीम नंबर 78 स्थित द हब एवं वृंदावन रेस्टोरेंट के आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की विधिवत तलाशी ली। आम नागरिकों की फ्रिस्किंग की गई तथा सार्वजनिक स्थानों, पार्किंग क्षेत्रों, रेस्टोरेंट और कैफे के आसपास पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान ड्रोन कैमरे के माध्यम से पूरे क्षेत्र पर निगरानी रखी गई, जिससे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। थाना लसुड़िया पुलिस द्वारा उपस्थित आमजन, युवाओं एवं व्यापारियों को नशे से दूर रहने, सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की समझाइश दी गई। साथ ही यातायात नियमों के पालन और आपसी सौहार्द बनाए रखने हेतु भी जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, त्योहारों एवं विशेष अवसरों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

24 फरवरी से शुरू होगा आदिवासियों का

अनोखा उत्सव भगोरिया

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

झाबुआ और आलीराजपुर जिले में आदिवासी समुदाय का पारंपरिक उत्सव भगोरिया 24 फरवरी से शुरू होगा। पहले भगोरिया हाट का आयोजन मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमा पर स्थित पिटोल में किया जाएगा। इसके साथ ही आसपास के कई गांवों में भी हाट बाजार सजेंगे।

गांव लौटने लगे प्रवासी आदिवासी

भगोरिया को लेकर आदिवासी अंचलों में उत्साह का माहौल है। जो लोग काम-धंधे के सिलसिले में अपने गांवों से बाहर गए थे, वे भी अब वापस लौटने लगे हैं। बाजारों में रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा और सजावट की तैयारी दिखाई देने लगी है।

तारीखवार हाट का आयोजन

24 फरवरी को पिटोल के साथ खरड़ू बड़ी, थांदला, तारखेड़ी, बरबेट, बखतगढ़, आंबुआ और अंधारवाड़ में भगोरिया हाट लगेंगे। 25 फरवरी को उमरकोट, माछलिया, करवड़, कल्याणपुर, मदरानी, ढेकल, बरझर, खट्टाली, चांदपुर और बोरी में आयोजन होगा। 26 फरवरी को पारा, हरी नगर, सारंगी, समोई, फुलमाल, सोंडवा और जोबट में हाट भरेंगे। 27 फरवरी को बेकल्दा, मांडली, भगौर, वालपुर, कट्ठीवाड़ा और उदयगढ़ में आयोजन होगा। 28 फरवरी को राणापुर, मेघनगर, बामनिया, झकनावदा, बलेड़ी, नानपुर और उमराली में हाट लगेंगे। 1 मार्च को झाबुआ, धोलियावाड़, रायपुरिया, काकनवानी, कनवाड़ा, छकतला, कुलवट, सोरवा, आमखूंट और झीरन में आयोजन होगा। 2 मार्च को होलिका दहन के दिन आलीराजपुर, भाबरा, पेटलावद, बड़ागुड़ा, रंभापुर, मोहनकोट, कुंदनपुर और रजला में भगोरिया हाट सजेंगे।

आदिवासी संस्कृति की अनूठी पहचान

भगोरिया हाट साप्ताहिक बाजार की तरह आयोजित होते हैं, लेकिन इनमें आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की विशेष झलक देखने को मिलती है। मध्यप्रदेश और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ अंदरूनी आदिवासी गांवों में भी यह उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व आज भी आदिवासी समाज की पुरानी परंपराओं को जीवित रखे हुए है।

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY
Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317
SERVICES
- Handwriting Examination.
- Signature Examination.
- Fingerprint Examination.
- Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
- Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
- Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
- phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
- Voice Analysis and Voice Comparison.
- Examination of Alteration in any Documents.
- Examination of Erased Writing.
- Examination of Audio Clips and Video Clips.
- Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
- Examination of Arson Cases.
- DNA Examination for Paternity and Maternity.
- Forensic Consultancy.
- Forensic Investigation of Insurance Claims.
- Property Investigation.
- Crime Scene Investigation.
- Audio Transcription.
FORENSIC EXPERT
Rakesh Mia +91 93663 81689
Vijay Panchal +91 9977649317
Head Office: Applied Forensic Science Laboratory, 8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near Collectorate Office, Indore, MP, 452007
Branch Office: Chandra Forensic Science lab, Chandigarh/New Delhi

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
।। श्री गणेशाय नमः।।
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

मानवता की मिसाल

छावनी चौराहा से महिला का सुरक्षित रेस्क्यू, 'संस्था प्रवेश' ने किया पुनर्वास

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर के पटेल प्रतिमा छोटी ग्वाल टोली,छावनी चौराहा गार्डन में देर रात एक असहाय एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को देखकर मानवता की मिसाल सामने आई। त्रिनेत्रम सामाजिक संगठन के युवा समाजसेवी सुनील ठाकुर ओर हर्षल चौहान को जागरूक नागरिक पूजा भार्गव एवं उनके परिवार ने विगत दस दिनों से परेशान

पीड़ित महिला की सुरक्षा और सहायता के लिए आग्रह किया। इसके बाद सुनील ठाकुर ने तुरंत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से संपर्क किया और फेसबुक पर इंदौर वाले ग्रुप के माध्यम से 'संस्था प्रवेश (PRAWES)' का संपर्क प्राप्त कर सूचना दी। सूचना मिलते ही संस्था प्रवेश की जुझारू महिला टीम ओर संस्था के साथियों ने तत्परता दिखाते हुए सुबह ही महिला को पटेल प्रतिमा ,छोटी ग्वाल टोली पहुंचकर सुरक्षित रेस्क्यू किया, और उन्हें अपने पुनर्वास केंद्र पहुंचाया। वर्तमान में महिला का प्राथमिक उपचार, देखभाल एवं आवश्यक परामर्श किया जा रहा है। संस्था के अनुसार, जल्द ही उचित प्रक्रिया के बाद उनका सम्मानजनक पुनर्वास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संस्था प्रवेश (PRAWES) पिछले पांच वर्षों से 'भिक्षावृत्ति मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत निरंतर कार्य कर रही है और अब तक इंदौर के लगभग 5,500 से अधिक बेसहारा व्यक्तियों को पुनर्वासित कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ चुकी है। संस्था का पुनर्वास मॉडल आज देश के कई शहरों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुका है। इस मानवीय कार्य के लिए संस्था की अध्यक्ष रूपाली जैन एवं उनकी पूरी टीम को साधुवाद दिया गया। समाजसेवी सुनील ठाकुर ने कहा कि, 'अगर हर नागरिक जागरूक हो जाए, तो कोई भी बेसहारा अकेला नहीं रहेगा।'

धार भोजशाला केस- कौन करेगा सुनवाई, चीफ जस्टिस से मांगा मत, अब सुनवाई 18 फरवरी को

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

धार भोजशाला मंदिर व कमाल मौला मस्जिद परिसर को लेकर चल रही सुनवाई मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में सोमवार को वकीलों की हड़ताल के कारण टाल दी गई। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। 22 जनवरी को भोजशाा को लेकर आए आदेश के आधार पर मध्य प्रदेश के चीफ जस्टिस से जजों ने मत मांगा है कि इसकी सुनवाई हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश करेंगे या वरिष्ठतम न्यायधीश करेंगे।

कोर्ट में सोमवार को सुनवाई तय थी और दोनों पक्ष के याचिकाकर्ता व इंटरविनर भी मौजूद थे, लेकिन वकीलों का कोरम पूरा नहीं होने के कारण सुनवाई नहीं हो पाई। 22 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को निर्देश दिया था कि एएसआई द्वारा सीलबंद लिफाफे में जमा की गई वैज्ञानिक सर्वे रिपोर्ट को खोला जाए। इसके बाद यह मामला सोमवार को पहली बार हाई कोर्ट में सुनवाई के लिए लगा था।

कोर्ट में पेश हो चुकी है रिपोर्ट

कोर्ट के निर्देश पर भोजशाला परिसर का तीन माह तक सर्वे हुआ था और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अपनी लिफाफा बंद रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर चुका है।हिंदू पक्ष भोजशाला को माता वाग्देवी यानी सरस्वती का मंदिर मानता

है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे 11वीं सदी की कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में है। इसके टायटल को लेकर अदालत में केस चल रहा है। वकीलों की हड़ताल के बीच सोमवार को हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों के लोग खुद अदालत में मौजूद रहे।याचिकाकर्ता संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' से जुड़े आशीष गोयल ने बताया कि वे सोमवार को कोर्ट में उपस्थित हुए थे, लेकिन सुनवाई आगे बढ़ा दी गई है। कोर्ट ने 18 फरवरी की तारीख तय की है।

मंत्रालय में फर्जी IAS की एंट्री से सनसनी

बैच नंबर के सवाल पर फंसा, पुलिस ने हिरासत में लिया

• भोपाल । विशेष प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के सबसे संवेदनशील प्रशासनिक मुख्यालय वल्लभ भवन में सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए एक युवक के फर्जी आईएएस बनकर घुसने का मामला सामने आया है. यही वह इमारत है, जहां मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव अनुराग जैन का दफ्तर स्थित है. घटना ने मंत्रालय की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

सूत्रों के अनुसार युवक ने खुद को 2019 बैच का आईएएस अधिकारी बताते हुए मंत्रालय में प्रवेश किया. उसने बाकायदा पास बनवाया और सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) पहुंचकर ट्रांसफर को लेकर चर्चा शुरू कर दी. विभाग में पदस्थ डिप्टी सेक्रेटरी अजय कटसेरिया से बातचीत के दौरान जब उससे बैच, कैडर और सर्विस डिटेल्स पूछी गईं तो वह उलझ गया. जवाब संदिग्ध लगते ही अधिकारी को शक हुआ और तत्काल सिक्योरिटी ऑफिसर को बुलाया गया. जांच में युवक की पहचान योगेंद्र सिंह चौहान निवासी इंदौर के रूप में हुई. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि वह भोपाल ट्रांसफर के बहाने मंत्रालय में दाखिल हुआ था. उसके पास मौजूद दस्तावेजों की जांच की जा रही है. पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ शुरू कर दी है.

सुरक्षा में सेंध कैसे?

वल्लभ भवन में बहुस्तरीय सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, पास सिस्टम और हर गेट पर सशस्त्र बलों की तैनाती रहती है. सब-इंस्पेक्टर रैंक तक के अधिकारी 24 घंटे ड्यूटी पर मौजूद रहते हैं. इसके बावजूद फर्जी अधिकारी का प्रवेश करना सुरक्षा चूक की ओर इशारा करता है. अब सवाल यह है कि पास किस आधार पर जारी हुआ? सत्यापन प्रक्रिया में कहां चूक हुई? क्या किसी स्तर पर अंदरूनी लापरवाही या मिलीभगत की संभावना है? मामले के सामने आते ही मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी गई है. उच्च स्तर पर जांच के निर्देश दिए जाने की तैयारी है. यह घटना न केवल सुरक्षा तंत्र बल्कि प्रशासनिक प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न लगा रही है.

पुलिस बोली- मानसिक रूप से पीड़ित है, परिजन थाने लेने पहुंचे

इस मामले में अरेरा हिल्स थाना पुलिस का कहना है कि मंत्रालय से सूचना मिली थी कि कोई संदिग्ध व्यक्ति घुसपैट कर चुका है और वह तीसरी मंजिल में जाकर एक अधिकारी के पास बैठा हुआ है. जिसके बाद उसकी जांच की गई और वह फर्जी पाया गया. सुरक्षा अधिकारी की निगरानी पर सवाल खड़ा करता है. कोई व्यक्ति विद्यालय में दाखिल होता है. उसका पास बनाया जाता है. जांच होती है. इसके अलावा आधार कार्ड तक देखा जाता है. लेकिन इस घटना के बाद स्पष्ट है की सुरक्षा व्यवस्था सिर्फ दिखावे की मंत्रालय में बनी हुई है.

शुद्ध मावे की मिठाइयों के निर्माता एवं विक्रेता
श्री चारभुजा स्वीट्स एवं नमकीन
गुलाब जामुन, मावाबाटी, काला जामुन, रसगुल्ला इत्यादि
662/9, नेहरु नगर, अटल द्वार, इन्दौर
शाखा : 60, न्यू देवास रोड, राजकुमार ब्रिज, इंदौर

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिक: 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
SKIPPER ASTRAL PIPES KisaN
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
फोन : 0731-2545493
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
352/2, पाटनीपुरा (भेरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में , इंदौर

संभाग पोस्ट

गुंडे सतीश भाऊ के केस में पुजारियों की बैठक लेगा प्रशासन, खजराना मंदिर के गर्भगृह में एंट्री पर बवाल

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के सूचीबद्ध बदमाश सतीश भाऊ ने अपने आधा दर्जन साथियों के साथ मंदिर के प्रतिबंधित गर्भगृह में प्रवेश कर न केवल पूजा-अर्चना की, बल्कि वहां के वीडियो भी बनवाए। सोशल मीडिया पर इन वीडियो के वायरल होने के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मंदिर प्रबंधन की सुरक्षा एजेंसी पर जुर्माना लगाया है और ड्यूटी पर तैनात गार्ड को सेवा से मुक्त कर दिया है। खजराना गणेश मंदिर के प्रबंधक गौरीशंकर मिश्रा ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि जल्द ही पुजारियों की बैठक होगी और गर्भगृह में नियमों के पालन पर प्रशासनिक अधिकारी भी मार्गदर्शन देंगे। नियमों का सख्ती से पालन हो और मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बने इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की जा रही है।

वीवीआईपी की तरह हुआ स्वागत और विशेष पूजा

बताया जा रहा है कि सतीश भाऊ 19 फरवरी को आयोजित होने वाले शिवाजी जयंती कार्यक्रम का पहला निमंत्रण पत्र भगवान श्रीगणेश को अर्पित करने पहुंचा था। इस दौरान मंदिर के कुछ पुजारियों ने उसका स्वागत किसी वीवीआईपी की तरह किया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुजारी उसे गले लगा रहे हैं और पूरे सम्मान के साथ गर्भगृह के भीतर ले जाकर विशेष पूजा करवा रहे हैं। सुरक्षा के कड़े नियमों के बावजूद एक अपराधी का इस तरह मुख्य स्थल तक पहुंचना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है।

सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

कलेक्टर शिवम वर्मा के अनुसार, यह घटना 11 फरवरी की शाम की है। मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच से पता चला है कि स्थानीय निवासी आकाश रावत ने वहां मौजूद गार्ड पर दबाव बनाया और गुंडे को गर्भगृह के अंदर प्रवेश दिलाया। उस समय बालाजी सर्विस कंपनी की महिला सुरक्षाकर्मी ज्योति वरुण वहां तैनात थीं। लापरवाही बरतने के कारण ज्योति को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। इसके साथ ही सुरक्षा एजेंसी पर 21 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया गया है।

पुजारियों और दोषियों पर कानूनी शिकंजा

खजराना गणेश मंदिर के प्रबंधक गौरीशंकर मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि गर्भगृह में प्रवेश के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी। इस मामले में आकाश राजावत के खिलाफ संबंधित थाने में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। मंदिर प्रशासन अब उन पुजारियों की भी पहचान कर रहा है जिन्होंने नियमों का उल्लंघन कर अपराधी को संरक्षण दिया। प्रबंधन की ओर से दोषी पुजारियों को औपचारिक चेतावनी पत्र जारी किए जा रहे हैं ताकि भविष्य में आस्था के इस केंद्र पर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जल्द ही हम पुजारियों की बैठक भी आयोजित करेंगे, इसमें प्रशासन के अधिकारी भी मार्गदर्शन देंगे। हमारा मुख्य उद्देश्य है खजराना मंदिर में सभी नियमों को बेहतर तरीके से पालन हो।

इंदौर के रीगल तिराहे पर बनेगा छहलेन ब्रिज, अफसरों ने किया दौरा

इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के दो हिस्सों को जोड़ने वाले शास्त्री ब्रिज के पास नए ब्रिज की संभावनाओं को तलाशने के लिए नगर निगम और रेलवे के अफसरों ने शनिवार को दौरा किया। अफसरों ने उस हिस्से को देखा, जहां नया ब्रिज बनना है। दरअसल अभी रेलवे स्टेशन का विस्तार किया जा रहा है। पुराने शास्त्री ब्रिज के कारण प्लेटफार्म समान रूप से लंबे नहीं हो पा रहे हैं। इस कारण नए ब्रिज को बनाने की प्लानिंग रेल विभाग ने की। पुराना शास्त्री ब्रिज दो लेन था। इस कारण कई बार वाहन ब्रिज पर ओवरटेक नहीं कर पाते थे। वाहन के खराब होने पर जाम की स्थिति भी बनती थी। नया ब्रिज छह लेन होगा और उसकी ऊंचाई भी ज्यादा होगी, ताकि भविष्य के हिसाब से रेल गाड़ियों का आवागमन भी आसान हो सके। नया ब्रिज रेल विभाग और नगर निगम मिलकर बनाएंगे। नए ब्रिज के लिए जमीन की भी परेशानी नहीं आएगी, क्योंकि एक तरफ गांधी हॉल का बगीचा है और दूसरी तरफ रीगल टॉकीज की बिल्डिंग है।

दोनों नगर निगम के अधीन हैं। शास्त्री ब्रिज 70 साल पुराना है और उसके कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं। पिछले दिनों ब्रिज के एक हिस्से में गड्ढा हो गया था। ब्रिज के कई हिस्से जर्जर हो चुके हैं और उसकी मरम्मत में भी हर साल नगर निगम को पैसा खर्च करना पड़ता है। नया ब्रिज पूर्वी क्षेत्र और मध्य क्षेत्र के ट्रैफिक को और आसान बनाएगा। नए ब्रिज की डिजाइन रेलवे ने बना दी है। जल्दी ही मिट्टी परीक्षण भी शुरू हो जाएगा। नए स्टेशन के निर्माण के दौरान कई रेलगाड़ियों का संचालन पार्क रोड से होगा। इस अवधि में नया ब्रिज भी बनाने की योजना है।

छात्रा से शादी करना चाहता था, लेकिन उसके चरित्र पर थी शंका, इसलिए की हत्या

इंदौर । नगर प्रतिनिधि

एमबीए छात्रा की हत्या करने वाले आरोपी को इंदौर पुलिस मुंबई से गिरफ्तार कर इंदौर ले आई है और उससे पूछताछ की जा रही है। हत्या के बाद आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वह कोई गलत कदम न उठा ले, इसलिए पुलिस उस पर लगातार निगरानी रख रही है। आरोपी अब बार-बार छात्रा को याद कर रो रहा है। उसने पुलिस को बताया कि वह छात्रा से प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था, लेकिन उसे उसके चरित्र पर शंका थी।

हत्या वाले दिन छात्रा के मोबाइल पर दूसरों की चैटिंग भी मिली थी, जिस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। आरोपी चाहता था कि छात्रा का एमबीए पूरा होने के बाद उसे अच्छी नौकरी लग जाए और फिर वह उससे शादी कर लेगा। आरोपी नशा करने का भी आदी था और उसने हत्या भी नशे की हालत में ही की थी।

हत्या के बाद निकाली थी छात्रा की उंगली से अंगूठी

आरोपी ने अपने ही कमरे में छात्रा की हत्या कर दी और मुंबई की तरफ भाग गया। उसने इंदौर से एक नई सिम भी खरीद ली थी और अपना मोबाइल कमरे पर ही छोड़ दिया था। आरोपी ने हत्या के बाद छात्रा की उंगली से वह अंगूठी भी निकाल ली थी, जो उसने उसे गिफ्ट की थी। इसके अलावा वह भागते समय छात्रा का मोबाइल फोन और उसका आधार कार्ड भी ले गया था। जब उसने ऑनलाइन छात्रा का शव मिलने की खबर पढ़ी तो वह डर गया और छात्रा का मोबाइल फेंक कर ट्रेनों में यात्रा करने लगा।

बदहाल व्यवस्थाओं की तस्वीर!

MY अस्पताल के सामने सड़क पर मरीज को स्ट्रेचर पर ले जाते दिखे परिजन

इंदौर । संभाग पोस्ट

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवाय के सामने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दो महिलाएं एक मरीज को स्ट्रेचर पर लिटाकर सड़क पार कर रही हैं। यह वीडियो सरकारी अस्पताल एमवाय के बाहर का बताया जा रहा है, हालांकि इसे लेकर एमवाय अस्पताल प्रबंधन ने कोई बयान नहीं दिया है। वीडियो में दो महिलाएं ट्रैफिक के बीच डेंटल कॉलेज के सामने से गुजरती हुई एमवाय अस्पताल की ओर बढ़ती हैं। अस्पताल का मुख्य गेट बंद होने के कारण दोनों महिलाएं दूसरे गेट की तरफ जाती नजर आईं। मरीज को स्ट्रेचर पर ही धकेलते हुए अगले गेट तक जाना पड़ा। एक मिनिट के इस वीडियो को इंदौर निवासी एक युवक ने अपने फेसबुक अकाउंट पर डाला है। इस वीडियो को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि मरीज एमवाय अस्पताल का है, क्योंकि वहां स्ट्रेचर मरीज के परिजनों को ही ले जाना पड़ता है। कई बार जांच के लिए मरीज को परिजन बाहर ले जाते हैं। यह वीडियो 13 फरवरी का बताया जा रहा है। बता दें कि एमवाय अस्पताल का मुख्य गेट हमेशा बंद रहता है। मरीजों को सीधी तरफ के गेट से ले जाया जाता है।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948